

# पर्यावरण एवं मानव स्वास्थ्य जनचेतना अभियान



सीएसआईआर-भारतीय विषविज्ञान अनुसंधान संस्थान  
**CSIR-INDIAN INSTITUTE OF TOXICOLOGY RESEARCH**

Vishvigyan Bhawan, Lucknow







माननीय राज्यपाल, श्री राम नाईक द्वारा वृक्षारोपण



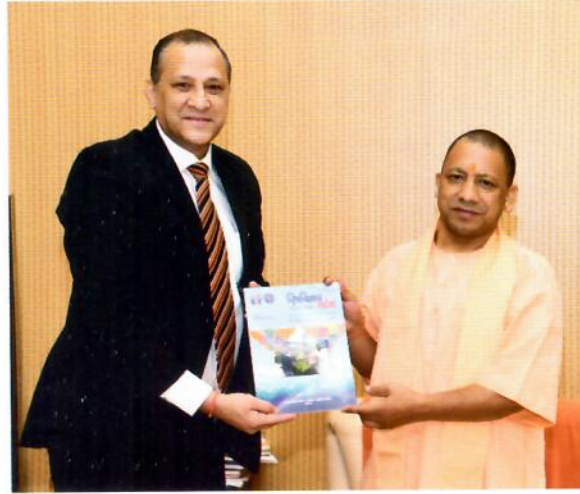
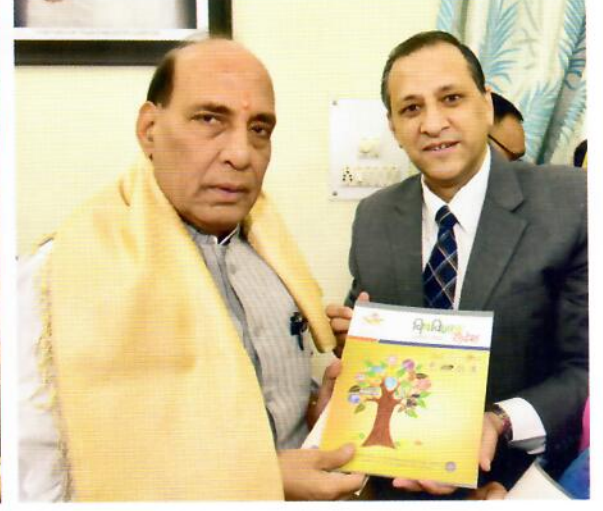
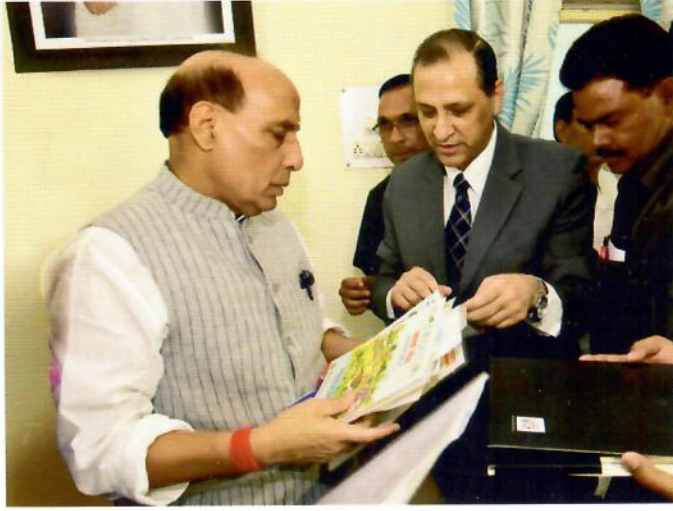
माननीय डॉ दिनेश शर्मा, उपमुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा वृक्षारोपण



सीएसआईआर-भारतीय विषविज्ञान अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, विषविज्ञान के क्षेत्र में भारत का एकमात्र और विश्व के गिने-चुने संस्थानों में से है, जो विगत 50 वर्षों से आदर्श वाक्य "पर्यावरण स्वास्थ्य की सुरक्षा एवं उद्योग के लिए सेवा" के साथ मानव स्वास्थ्य एवं प्रदूषण के क्षेत्र में सक्रिय रूप से कार्यरत है। संस्थान, वैज्ञानिक शोध एवं नवोन्मेषी तकनीकों द्वारा जनसामान्य के जीवन स्तर में सुधार कर राष्ट्र निर्माण में सहयोग प्रदान कर रहा है एवं देश हित की आवश्यकताओं के प्रति समर्पित है। इस संस्थान ने रसायनों के विषाक्तता प्रभावों के पूर्वानुमान और मूल्यांकन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिससे औद्योगिक श्रमिक, खनिक किसान और जनसामान्य को लाभ पहुंचा है। वर्तमान में संस्थान, भारत सरकार के राष्ट्रीय मिशन कार्यक्रम नमामि गंगे, स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत, कुशल भारत, स्मार्ट सिटी, डिजिटल इंडिया एवं मेक इन इंडिया में प्रतिभागिता कर रहा है। संस्थान के वैज्ञानिकों का समूह पाँच अग्रणी क्षेत्रों, प्रणाली विषविज्ञान एवं स्वास्थ्य आपदा मूल्यांकन, खाद्य औषधि एवं रसायन विषविज्ञान, पर्यावरणीय विषविज्ञान तथा नैनो औषधि एवं नैनोमैटीरियल विषविज्ञान में उच्च स्तर का मौलिक, व्यवहारिक तथा अनुप्रयोगी अनुसंधान कर रहा है। सीएसआईआर संस्थानों में, हमारे संस्थान को विषाक्तता परीक्षण हेतु, गुड लैबोरेटरी प्रैक्टिस (जी.एल.पी.) में मान्यता हासिल करने का अद्वितीय गौरव प्राप्त है। इस सुविधा के माध्यम से, संस्थान विश्व स्तर पर स्वीकृति हेतु, छोटे और मध्यम उद्यमियों द्वारा विकसित उत्पादों के सुरक्षा आंकलन कर, मेक इन इंडिया अभियान में योगदान कर रहा है। जी.एल.पी. अध्ययन रिपोर्ट, 90 देशों की विनियामक अधिकारियों को स्वीकार्य होती है। नियामक विषविज्ञान के क्षेत्र में राष्ट्र को आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु सीएसआईआर-आईआईटीआर ने अपनी सुविधाओं को और सुदृढ़ किया है, जो कि राष्ट्रीय परीक्षण और अंशशोधन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड (एन.ए.बी.एल.) द्वारा प्रत्यायित है।







संस्थान द्वारा शोध छात्रों को दिया गया व्यापक परीक्षण न केवल कुशल मानव संसाधन विकसित करने में सहायक है, बल्कि युवा वैज्ञानिकों के एक ऐसे समूह को विकसित करता है जिनमें से अनेक वैज्ञानिक भारत और विदेश के कई अनुसंधान संगठनों, शिक्षण संस्थानों, उद्योगों, दवा कंपनियों और नियामक निकायों इत्यादि में महत्वपूर्ण पदों पर सेवारत हैं। संस्थान के अनुसंधान, जनसेवा के लिए, सस्ते एवं उपयोगी प्रौद्योगिकी के विकास में केन्द्रित है। संस्थान ने हाल ही में एक "सेंटर फार इनोवेशन एंड ट्रांसलेशनल रिसर्च" (सी.आई.टी.ए. आर.) केंद्र का स्रजन किया है, जिसके अंतर्गत लघु एवं मध्यम उद्योगों को अपने उत्पादों को उत्कृष्ट बनाने के लिए उत्पाद निर्माण हेतु अनुसंधान के लिए सम्पूर्ण समाधान मिलेगा। इसमें अनुसंधान एवं विकास, जांच, स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संबंधी महत्वपूर्ण तकनीकी चुनौतियों का निदान सम्मिलित होगा। यह अत्याधुनिक उपकरण, प्रयोगशालाओं एवं कंप्यूटेशनल संसाधनों की सुविधा से युक्त है।

रसायनों पर जानकारी उपलब्ध कर, नयी विषाक्तता के घटनाक्रम और रसायनों की विषाक्तता के प्रतिकारी रसायनों पर विकसित डेटाबेस को हम इनविस वेबसाइटों के माध्यम से ज्ञान के प्रसार द्वारा 'डिजिटल इंडिया' के भी महत्वपूर्ण योगदान कर रहे हैं। देश और राष्ट्रीय मिशन कार्यक्रम की जरूरतों को ध्यान में रखते हुये सीएसआईआर-आईआईटीआर की टीम 'स्वस्थ भारत' और 'स्वच्छ भारत' मिशन के तहत समाज के लिए योगदान करने के सभी प्रयास कर रही है। सीएसआईआर-आईआईटीआर उच्चकोटि के शोध करने एवं "आउटरीच कार्यक्रम" तथा वायु, जल, खाद्य एवं मृदा की नियमित निगरानी द्वारा एक सुरक्षित वातावरण बनाने के लिए कृत संकल्प है।

योगी आदित्यनाथ



मुख्य मंत्री  
उत्तर प्रदेश



दिनांक : ०५.१२.२०१८

प्रिय प्रो० आलोक धावन जी,

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है कि सी०एस०आई०आर०-भारतीय विषविज्ञान अनुसंधान संस्थान, लखनऊ द्वारा पर्यावरण प्रदूषण, जल प्रदूषण, प्लास्टिक विषाक्ता के सम्बन्ध में जनजागरूकता के उद्देश्य से विवरणिकाओं का प्रकाशन किया गया है।

पर्यावरण एवं प्रदूषण जनित संकटों के समाधान के लिए आवश्यक है कि जनमानस को इस सम्बन्ध में जागरूक किया जाए। विकास एवं प्रकृति के मध्य समन्वय स्थापित कर पर्यावरण संतुलन स्थापित किया जा सकता है। पर्यावरण प्रदूषण, जल प्रदूषण, प्लास्टिक विषाक्ता के समाधान में जनसहभागिता आवश्यक है। राज्य सरकार पर्यावरण संतुलन एवं प्रदूषण जनित संकटों के निस्तारण हेतु प्रतिबद्ध है।

मुझे विश्वास है कि स्वच्छ व संतुलित पर्यावरण सृजित करने में आमजन को सहयोगी व सहभागी बनाने के उद्देश्य से प्रकाशित की गई विवरणिकाओं से इस सम्बन्ध में जागरूकता बढ़ेगी और सभी लाभान्वित होंगे।

विवरणिकाओं की सफलता हेतु मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

आपका,

( योगी आदित्यनाथ )

प्रो० आलोक धावन,

निदेशक,

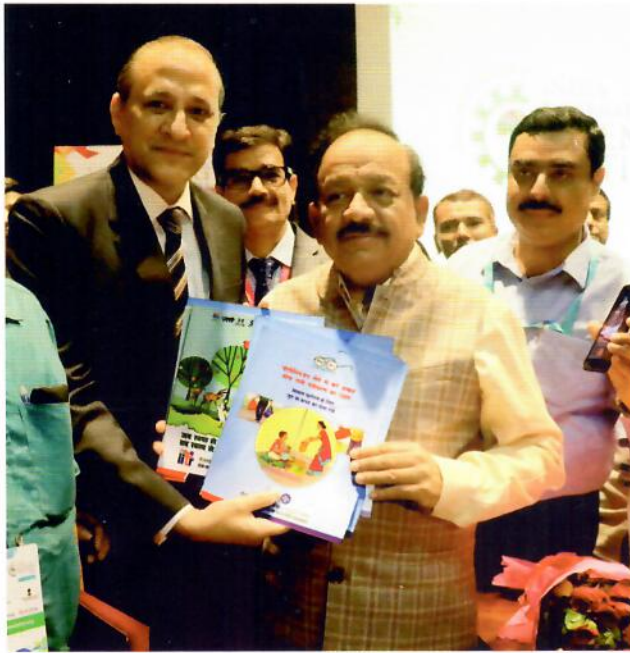
सी०एस०आई०आर०-भारतीय विषविज्ञान अनुसंधान संस्थान,

विषविज्ञान भवन,

३१ महात्मा गांधी मार्ग,

लखनऊ-२२६००१











# आदर्श गाँव

अपना गाँव साफ बनाये रखें

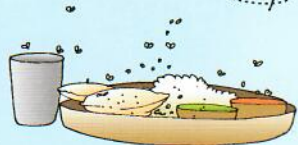
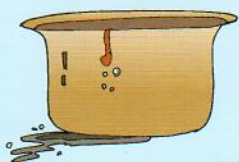
गांव गांव जब स्वच्छ रहेगा खुशहाल रहेगा स्वस्थ रहेगा ॥







गांव के तालाब को दूषित न करें



खाने का बर्तन खुला न छोड़ें

खाना खुला न छोड़ें

पानी का घड़ा ढक कर रखें



बाजार का खुला खाना न खाएं

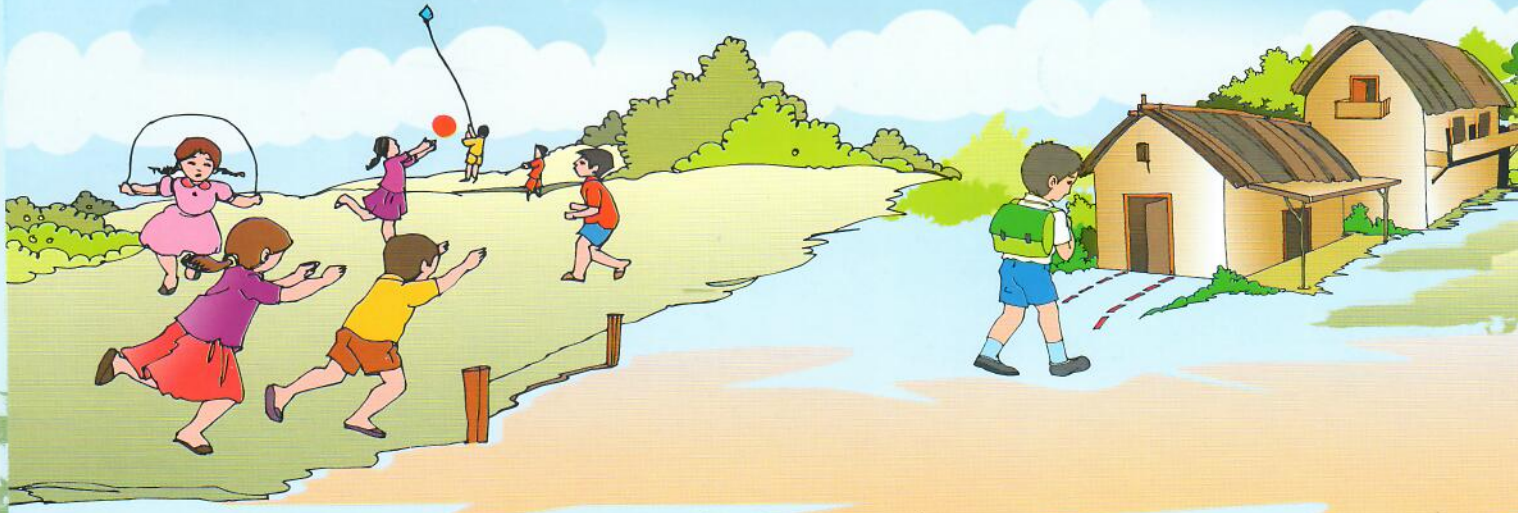


जानवर को छूने के बाद हाथ अवश्य धोएं

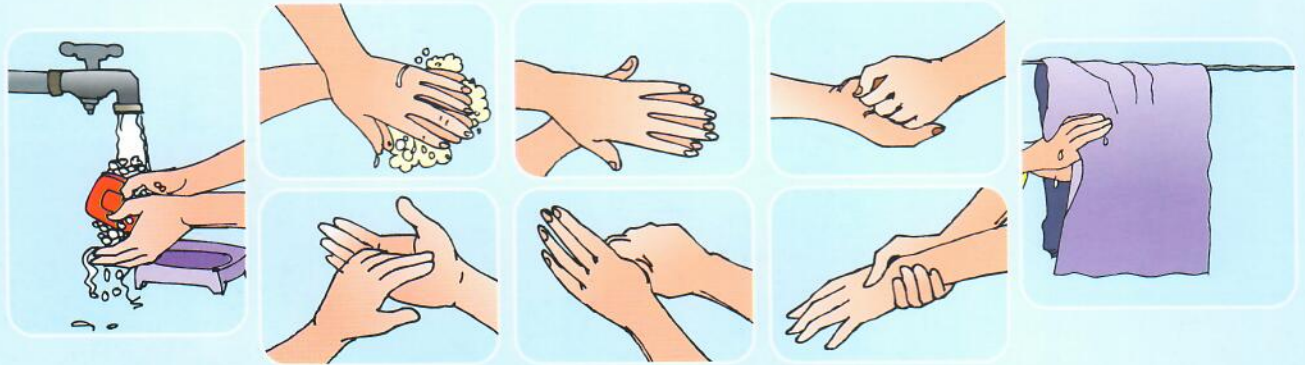


स्वच्छ भोजन का उपयोग करें  
सेहत का उपभोग करें॥





घर से बाहर खेलों को प्रोत्साहन दें।  
जब भी खेल कर घर आएँ हाथों को साबुन से धोएँ।



पहले साबुन से हाथ धोएँ खाना खायें उसके बाद।



केवल डाक्टर की सलाह से ही दवा प्रयोग करें।

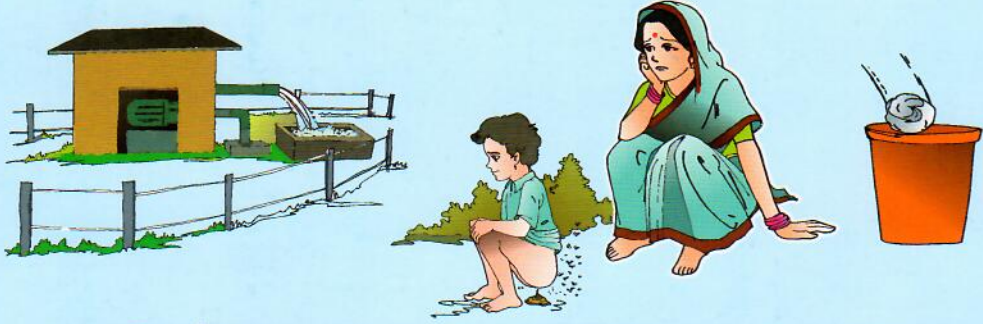


खाँसते समय मुँह को ढक लें

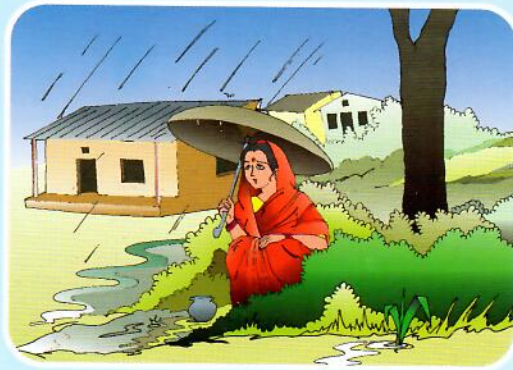


गांव गांव को स्वच्छ बनाएं बीमारी को दूर भगाएं  
घर परिवार रहे निरोग शौचालय का करें प्रयोग

शिशुओं का शौच खुले में न फेंकें  
शौच को बन्द कूड़ेदान या शौचालय में फेंकें



घर में शौचालय बनवाएँ सम्मान जनक जीवन जिएं  
आदियुग को पीछे छोड़ें शौचालय से नाता जोड़ें



बाहर शौच करने से बहुत से खतरे हैं ।



# पानी हमारा जीवन है



पेयजल यदि साफ रहेगा ।  
स्वस्थ हमारा समाज रहेगा ॥

जल का सही तरीके से प्रयोग करें





# पीने के पानी को सही तरीके से प्रयोग करें

## छान कर



पानी को साफ कपड़े से छानें

## फिटकरी डाल कर



5 लीटर पानी में आधा चम्मच फिटकरी डालें



2 से 5 घंटे बाद पानी को दूसरे बर्तन में पलट दें

## 24 घंटे रख कर



24 घंटे पानी को रक्खा रहने दें जिससे मिट्टी नीचे बैठ जाए फिर दूसरे बर्तन में पलट दें



पानी को कलछुल से निकालें

## उबाल कर



पानी को 5 मिनट तक उबालें जिससे कीटाणु मर जाते हैं फिर पानी प्रयोग करें

## क्लोरीन डाल कर

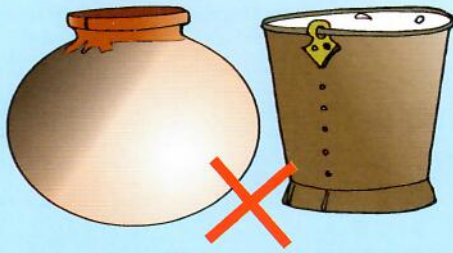


क्लोरीन की टिकिया या क्लोरीन की कुछ बूंदें पानी में डालें और आधे घंटे बाद पानी प्रयोग करें



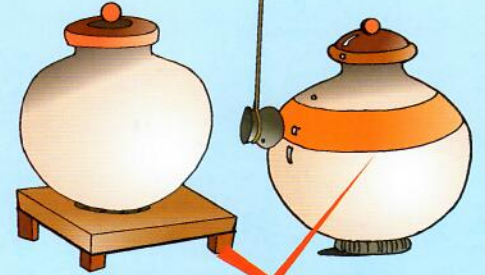
# स्वच्छ जल का करें प्रयोग । जीवन रहेगा, सदा निरोग ॥

पीने के पानी को रखने का गलत तरीका



पानी खुले बर्तन में न रखें

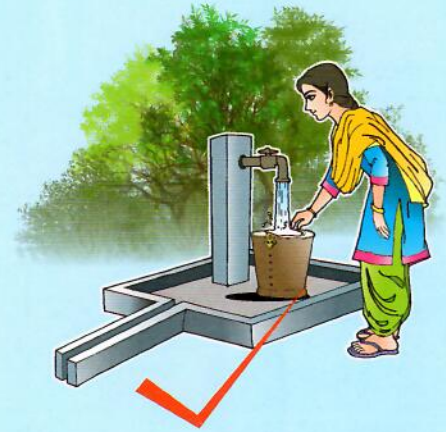
पीने के पानी को रखने का सही तरीका



हमेशा पानी ढक कर रखें  
हैंडपम्प के पानी का प्रयोग करें



तालाब के पानी का प्रयोग न करें



हैंडपम्प के पानी का प्रयोग करें



पानी के बर्तन में हाथ न डालें



पानी को निकालने के लिए कलछुल का प्रयोग करें



## 400 लीटर प्रति घंटा पानी का सामुदायिक उपकरण



**ओनीर™** पीने के पानी के सतत उपचार के लिए विशेष रूप से उपयोगी है जो रोगजनक सूक्ष्मजीवों जैसे वायरस, बैक्टीरिया, कवक, प्रोटोजोआ तथा सिस्ट से रहित स्वच्छ पेयजल समुदायों को उपलब्ध कराता है। यह जल पीने योग्य पानी के लिए निर्धारित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानकों जैसे विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू एच ओ) और पर्यावरण संरक्षण एजेंसी, संयुक्त राज्य अमेरिका (ई पी ए) के अनुरूप है।

### उपकरण का लाभ व उपयोग

- एक अभिनव माड्यूलर डिजाइन पानी को शुद्ध और कीटाणुरहित कर सभी की आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम है
- शोधित जल को 30 घंटे के लिए आदर्श भंडारण स्थितियों में पुनः संदूषण के बिना संग्रहीत किया जा सकता है और इस प्रकार सुरक्षित पीने का पानी उपलब्ध कराता है।
- स्थापना के पश्चात शोधित पानी की लागत लगभग 2 पैसे प्रति लीटर आती है। स्थान की पानी की गुणवत्ता के अनुसार कण अशुद्धता, गंध, रंग, और अन्य प्रदूषकों जैसे लोह, आर्सेनिक, फ्लोराइड इत्यादि को हटाने के लिए पूर्व फिल्टर लगाए जा सकते हैं
- यह जल में उपस्थित 8 लॉग स्तर तक के जीवाणुओं और कवकों का निसंक्रमण कर सकता है
- इसमें लगा हुआ स्मार्ट सेंसर वास्तविक समय पर विभिन्न परिचालन चरणों, स्वयं साफ करने की स्थिति, और स्वचालित टैंक भरने की जानकारी प्रदान कर सुरक्षित पेयजल की 24x7 उपलब्धता सुनिश्चित करता है। किसी हस्तक्षेप के बिना पूर्ण रूप से स्वचालित।
- नियंत्रित उपचार ऊर्जा एवं उपचार अवधि के कारण निष्कासित पेय जल में विषाक्त भारी धातुओं का निष्कालन डब्ल्यू एच ओ के द्वारा निर्धारित पीने के पानी के मानकों की सीमा के नीचे ही रहता है।
- परिशोधन प्रक्रिया के दौरान कोई भी बहिर्जात रसायन नहीं मिलाया जाता है।
- रखरखाव मुक्त और दीर्घ काल तक चलने वाला जल कीटाणु शोधन उपकरण।
- 400 लीटर प्रति घंटा शुद्ध जल समुदायों के लिए उपलब्ध करने की क्षमता। इसके अद्वितीय माड्यूलर डिजाइन के कारण इस प्रक्रिया को 5000 से 1 लाख ली / दिन और अधिक तक बढ़ाया जा सकता है।
- यह जल में आवश्यक खनिजों को बरकरार रखता है जो अन्य निस्पंदन तकनीकों में हट जाते हैं
- बिजली के अभाव में इसे सौर ऊर्जा से भी चलाया जा सकता है।
- मेम्ब्रेन मुक्त प्रौद्योगिकी के कारण पानी का अपव्यय नहीं होता है। जल की बरबादी किए बिना ही शुद्ध जल उपलब्ध कराने की तकनीकी

## 10 लीटर प्रति बैच पानी का घरेलू उपकरण

**ओनीर™** घरों में पीने के पानी के लिए विशेष रूप से उपयोगी है जो रोगजनक सूक्ष्मजीवों जैसे वायरस, बैक्टीरिया, कवक, प्रोटोजोआ तथा सिस्ट से रहित स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराता है। यह जल पीने योग्य पानी के लिए निर्धारित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानकों जैसे विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू एच ओ) और पर्यावरण संरक्षण एजेंसी, संयुक्त राज्य अमेरिका (ई पी ए) के अनुरूप है।

### उपकरण का लाभ व उपयोग

- शोधित जल को 30 घंटे के लिए आदर्श भंडारण स्थितियों में पुनः संदूषण के बिना संग्रहीत किया जा सकता है और इस प्रकार सुरक्षित पीने का पानी उपलब्ध कराता है।
- स्थापना के पश्चात शोधित पानी की लागत लगभग 2 पैसे प्रति लीटर आती है। बालू युक्त पानी का प्रशोधन करने के लिए प्री-फिल्टर लगाया जा सकता है।
- यह जल में उपस्थित 8 लॉग स्तर तक के जीवाणुओं और कवकों का निसंक्रमण कर सकता है।
- नियंत्रित उपचार ऊर्जा एवं उपचार अवधि के कारण निष्कासित पेय जल में विषाक्त भारी धातुओं का निष्कालन डब्ल्यू एच ओ के द्वारा निर्धारित पीने के पानी के मानकों की सीमा के नीचे ही रहता है।
- परिशोधन प्रक्रिया के दौरान कोई भी बहिर्जात रसायन नहीं मिलाया जाता है।
- रखरखाव मुक्त और दीर्घ काल तक चलने वाला जल कीटाणु शोधन उपकरण है।
- 10 लीटर जल प्रति 10 मिनट शोधित पानी उपलब्ध करा सकता है।
- मेम्ब्रेन मुक्त प्रौद्योगिकी के कारण पानी का अपव्यय नहीं होता है।
- यह जल में आवश्यक खनिजों को बरकरार रखता है जो अन्य निस्पंदन तकनीकों में हट जाते हैं।
- सौर शक्ति द्वारा भी चलाया जा सकता है।





# स्वच्छ पर्यावरण हमारा अधिकार

जब स्वच्छ हो पर्यावरण  
तब स्वस्थ हो जीवन

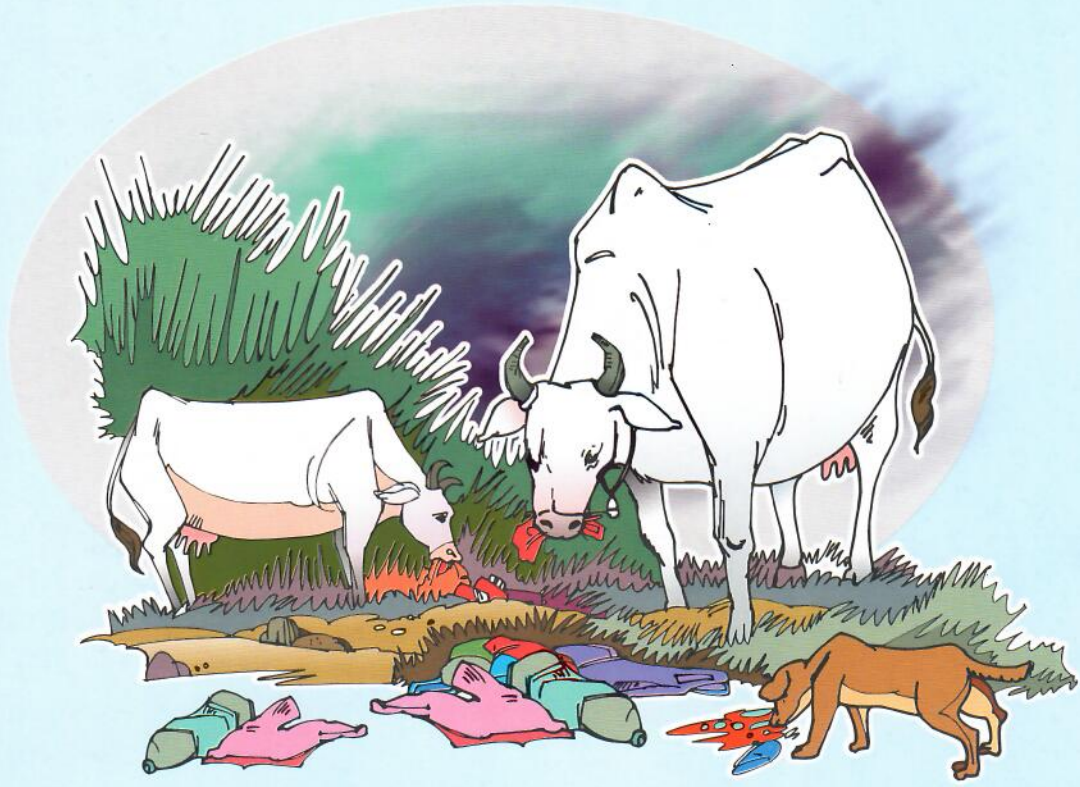




कूड़े को न जलायें इससे  
वायु प्रदूषण होता है







**कूड़े के निस्तारण पर विशेष ध्यान दें।**



**कूड़े को कूड़ेदान में ही डालें।**





नदी व तालाब को स्वच्छ रखें  
कूड़ा नदी अथवा तालाब में न डालें



# महिलायें हो स्वस्थ तो परिवार आश्वस्त



शिक्षित महिला साक्षर समाज





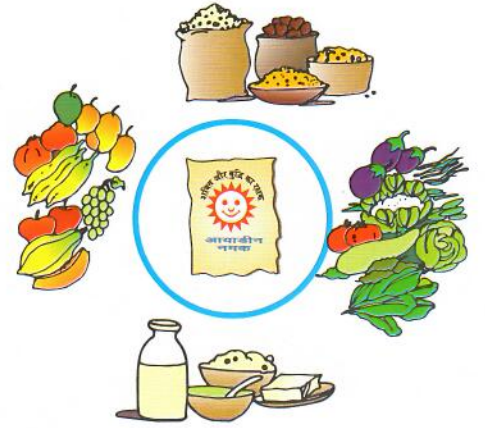
स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न बरतें।



रक्तक्षीणता के प्रति जागरूक रहें।



नियमित रूप से चिकित्सीय परीक्षण करायें



संतुलित आहार का सेवन करें।



स्वास्थ्य सम्बन्धी जागरूकता का प्रचार करें।



परिजन महिलाओं की सम्पूर्ण देखभाल करें

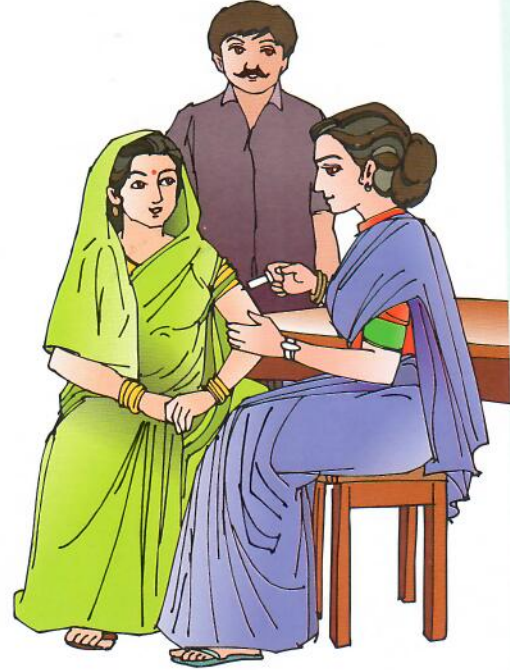




महिलायें परिवार का अभिन्न अंग  
उनके स्वास्थ्य का रखें ध्यान

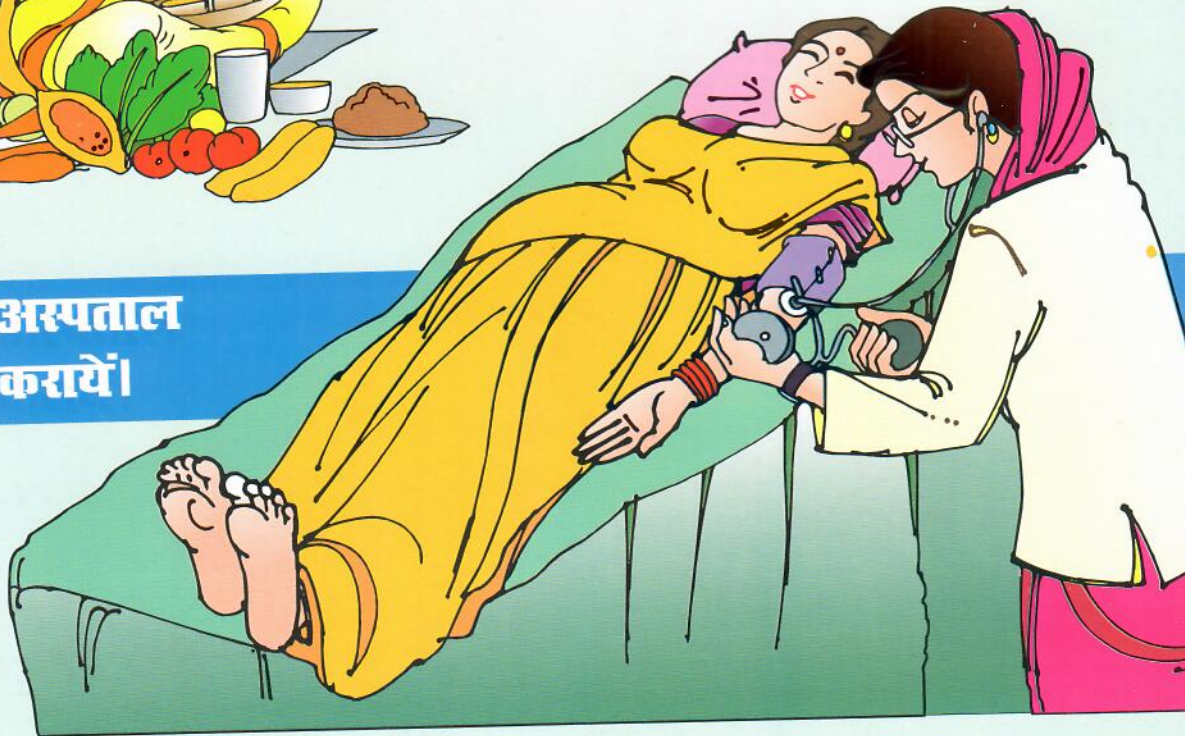


गर्भवती महिलायें चिकित्सक  
से नियमित जाँच करायें।



पौष्टिक आहार तथा स्वास्थ्य का गर्भावस्था  
में विशेष ध्यान रखें।

**प्रसव अस्पताल  
में ही करायें।**





# पॉलीथिन बैग लेने से करें इन्कार होगा तभी पर्यावरण का उद्धार

सामान खरीदने के लिए  
जूट या कपड़े का थैला रखें





# अच्छे नागरिक बनें

## प्लास्टिक तथा पॉलीथिन को कूड़ेदान में ही डालें



प्लास्टिक व पॉलीथिन को न जलाएं



प्लास्टिक व पॉलीथिन को सड़क पर न फेंकें



गरम खाना तथा गरम पेय पदार्थ जैसे चाय आदि प्लास्टिक/पॉलीथिन के बर्तन या थैली में न रखें, यह हानिकारक हो सकता है



फूड ग्रेड प्लास्टिक तथा आई एस आई मार्क डिब्बों या बर्तनों में ही खाना रखें





पुरानी तथा कई बार प्रयोग की गई (रिसाईकिल्ड) प्लास्टिक से बने बर्तन व सामान का प्रयोग न करें



रिसाईकिल्ड प्लास्टिक के सस्ते, आकर्षक रंगीन खिलौने स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकते हैं



बिना पॉलिश/रंगों वाले लकड़ी के खिलौने से खेलें





# प्लास्टिक के बारे में जानें

प्लास्टिक से बनी वस्तुओं को प्रयोग करने से पहले  
उनपर बने चिन्ह को पहचानें



**पालीइथाइलीन टेरथेलेट**  
**Polyethylene Terephthalate:**

शीतल पेय और पानी की बोतलें, ढक्कन, कंटेनर, मसाले के पारदर्शी डिब्बे इत्यादि बनाने में प्रयोग किया जाता है।

**पुनः चक्रित (रिसाईकिल्ड)**

तकिये और स्लीपिंग बैग फिलिंग, क्लोदिंग फाईबर, कार्पेट फाईबर, बिल्डिंग इनसुलेशन इत्यादि बनाने में प्रयोग किया जाता है।



**उच्च घनत्व पॉलीइथाइलीन**  
**Polyethylene-High Density:**

शॉपिंग बैग, दूध, शैम्पू, रसायन, डिटर्जेंट तथा जूस की बोतलें, एक्रेलिक शीट, आइसक्रीम के डिब्बे, इत्यादि बनाने में प्रयोग किया जाता है।

**पुनः चक्रित (रिसाईकिल्ड)**

बड़े कंटेनर, कृषि पाइप, कूड़े के डिब्बे, क्रेट्स, बगीचे की बाड़, तेल के डिब्बे इत्यादि बनाने में प्रयोग किया जाता है।



**अनप्लास्टिसाइज़्ड पॉलीविनाइल क्लोराइड:**  
**Unplasticised Polyvinyl Chloride:**

बिजली, पानी के पाइप और फिटिंग, नकली चमड़ा, विनायल साईन बैनर, इत्यादि बनाने में प्रयोग किया जाता है।

**पुनः चक्रित (रिसाईकिल्ड)**

फ्लोरिंग शीट, जूते के सोल, बिजली की डक्टिंग इत्यादि बनाने में प्रयोग किया जाता है।



**कम घनत्व पॉलीइथाइलीन**  
**Low Density-Polyethylene:**

चिपकने वाला टेप, पारदर्शी मुलाएम शीट, सिंचाई की मुलाएम ट्यूब, लेमिनेशन फिल्म, कचरा बैग इत्यादि बनाने में प्रयोग किया जाता है।

**पुनः चक्रित (रिसाईकिल्ड)**

चप्पलें, रंगीन प्लास्टिक शीट, फलैक्स बनाने में प्रयोग किया जाता है।



**पॉलीप्रोपाइलीन**  
**Polypropylene:**

कालीन व कपड़ों के फाईबर, मोटर वाहन के कवर, खिलौने, सामान की थैली, पैकेजिंग रोल इत्यादि बनाने में प्रयोग किया जाता है।

**पुनः चक्रित (रिसाईकिल्ड)**

क्रेट्स बक्से, गमले, डिब्बे, पैकिंग शीट, टेप्स, पैनल दरवाजे इत्यादि बनाने में प्रयोग किया जाता है।



**पॉलीस्टाइरीन**  
**Polystyrene:**

रेफ्रिजरेटर डिब्बे कोट/कपड़े के हैंगर, चिकित्सा डिस्पोजेबल्स, थर्मोकोल, मांस और पोल्ट्री ट्रे, डेयरी कंटेनर, वैंडिंग कप इत्यादि बनाने में प्रयोग किया जाता है।

**पुनः चक्रित (रिसाईकिल्ड)**

औद्योगिक पैकेजिंग, ऑफिस मोल्डेड चेयर, केसिट, प्रिंटर कार्टरिज इत्यादि बनाने में प्रयोग किया जाता है।



**अन्य**  
**Other:**

रेजिन, गलू, ऑटोमोटिव, विमान और नौकायन, फोम शीट, विद्युत और चिकित्सा सामग्री इत्यादि बनाने में प्रयोग किया जाता है।

**पुनः चक्रित (रिसाईकिल्ड)**

फर्नीचर फिटिंग, प्लास्टिक रोल इत्यादि बनाने में प्रयोग किया जाता है।

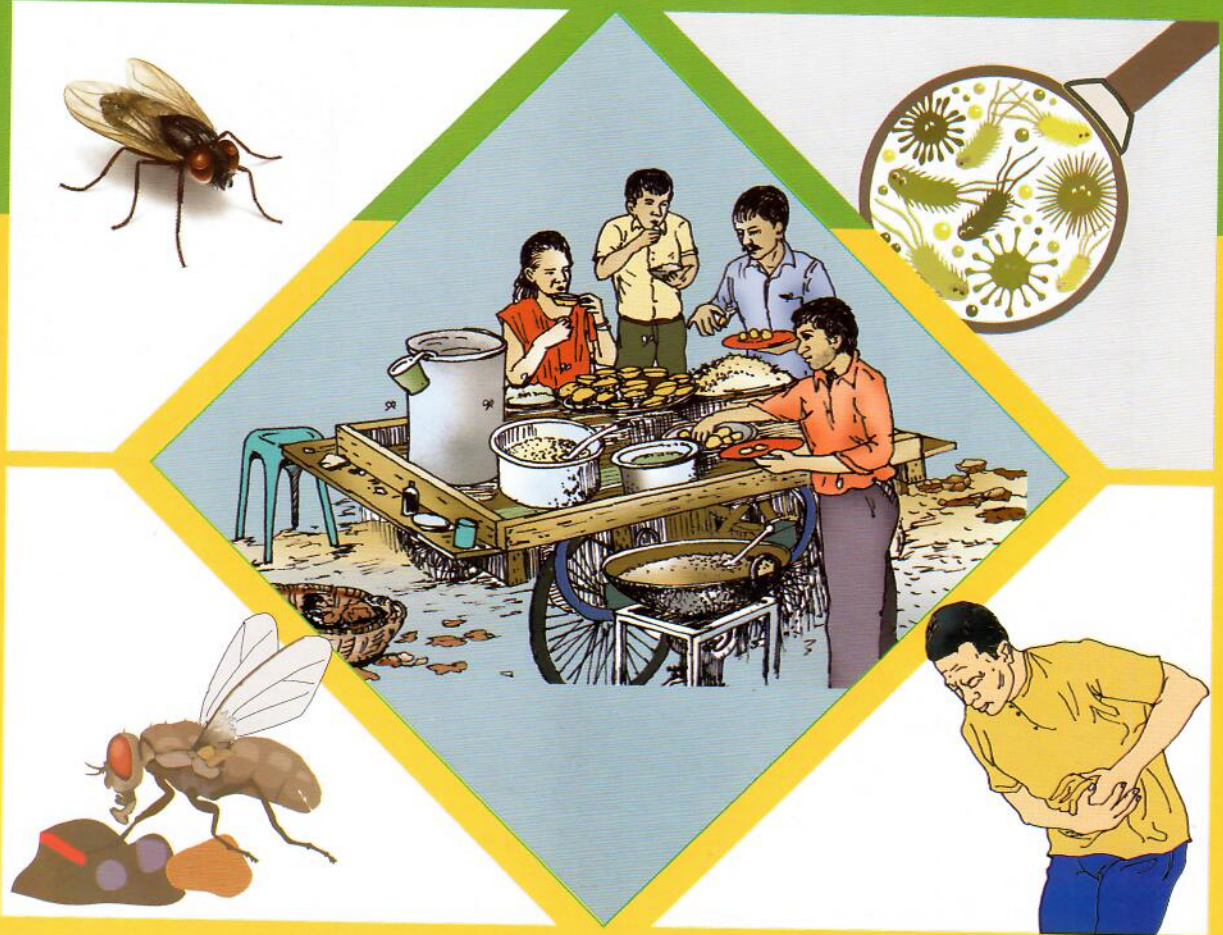


**फूड ग्रेड प्लास्टिक**  
**Food Grade Plastic**

आई एस आई मार्क के डिब्बों अथवा बर्तनों में खाने का सामान रखने के लिए प्रयोग किया जाता है।



# स्वच्छ भोजन खिलाएं स्वस्थ जीवन बनाएं









# हरियाली से खुशहाली

## ग्रीन गुड डीड







डॉ. शेखर सी. मांडे, महानिदेशक, सीएसआईआर  
द्वारा वृक्षारोपण



रिकी केज, ग्रेमी अवार्ड विनर द्वारा वृक्षारोपण



पदमश्री प्रोफेसर डी. बालासुब्रमनिअन द्वारा वृक्षारोपण

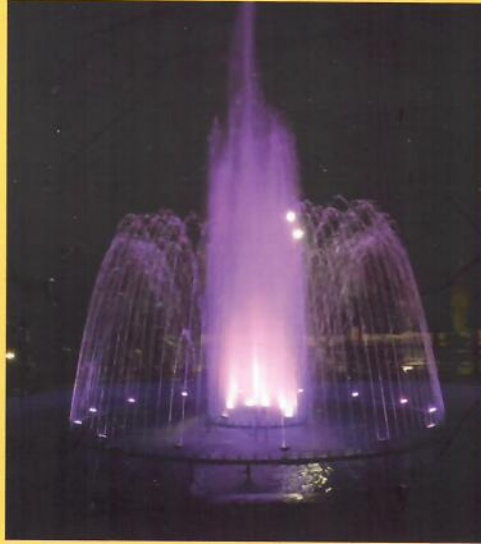


डॉ. मंजू शर्मा द्वारा वृक्षारोपण





## हरियाली से खुशहाली



सीएसआईआर-भारतीय विषविज्ञान अनुसंधान संस्थान  
**CSIR-INDIAN INSTITUTE OF TOXICOLOGY RESEARCH**

विषविज्ञान भवन, 31, महात्मा गाँधी मार्ग  
पोस्ट बाक्स न० 80, लखनऊ-226001, उ.प्र., भारत

VISHVIGYAN BHAWAN, 31, MAHATMA GANDHI MARG  
POST BOX NO 80, LUCKNOW- 226001, U.P., INDIA

Phone:+91-522-2627586, 2614118, 2628228 Fax:+91-522-2628227  
director@iitrindia.org www.iitrindia.org